भारत - मोरक्को संबंध

भारत और मोरक्को के बीच संबंध 14वीं शताब्दी में उस समय से चले आ रहे हैं जब टैंगियर से मशहूर यात्री एवं लेखक इब्न बतूता ने भारत का दौरा किया था। आधुनिक इतिहास में मोरक्को के स्वतंत्रता आंदोलन के लिए संयुक्त राष्ट्र में समर्थन प्रदान करने में भारत सक्रिय था तथा 20 जून 1956 को मोरक्को को उस समय मान्यता प्रदान की जब यह फ्रांस के साथ संरक्षणवादी व्यवस्थाओं से आजाद हुआ। राजनयिक मिशनों की स्थापना 1957 में हुई।

इन पिछले वर्षों में भारत और मोरक्को के बीच संबंध मधुर एवं मैत्रीपूर्ण रहे हैं तथा द्विपक्षीय संबंधों में काफी वृद्धि हुई है। उप राष्ट्रपति डा. जाकिर हुसैन ने 1967 में मोरक्को का दौरा किया था तथा किंग मोहम्मद 6, जब वह क्राउन प्रिंस थे, ने 193 में गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शिखर बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया और फिर मोरक्को के नरेश के रूप में 2001 और 2003 में भारत का दौरा किया। नई दिल्ली में आयोजित "तीसरी भारत - अफ्रीका मंच शिखर बैठक 2015" में भाग लेने के लिए शाह मोहम्मद 6 ने भी 25 अक्टूबर से 4 नवंबर 2015 के दौरान भारत का दौरा किया। शाह मोहम्मद 6 के नेतृत्व में एक विशाल शिष्टमंडल आया था जिसमें मोरक्को के विदेश एवं सहयोग मंत्री श्री सलाहेद्दीन मेजुअर शामिल थे। शाह मोहम्मद 6 दिल्ली पहुंचने वाले पहले राष्ट्राध्यक्ष और भारत छोड़ने वाले आखिरी राष्ट्राध्यक्ष थे। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वायपेयी ने 1999 में रबाट का दौरा किया था। दोनों देशों के बीच मंत्रियों एवं अधिकारियों के स्तर पर नियमित रूप से यात्राएं हुई हैं।

जून, 2012 में माननीय विदेश राज्य मंत्री श्री ई अहमद ने मोरक्को का दौरा किया। उत्तर अफ्रीकी क्षेत्र के तीन देशों जिसमें मोरक्को, ट्यूनिशिया और सूडान शामिल थे, की अपनी यात्रा के अंग के रूप में विदेश मंत्री श्री सलमान खुर्शीद ने एक आधिकारिक शिष्टमंडल के साथ 30 जनवरी से 1 फरवरी 2014 के दौरान मोरक्को का दौरा किया। यह यात्रा ऐतिहासिक स्वरूप की थी क्योंकि यह भारत के किसी विदेश मंत्री की ओर से मोरक्को की पहली यात्रा थी। विदेश मंत्री ने शाह मोहम्मद 6 से मुलाकात की तथा शासनाध्यक्ष (प्रधानमंत्री), हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव (संसद का निचला सदन) के प्रेसीडेंट / स्पीकर, हाउस ऑफ कोंसुलर (संसद का उच्च सदन) के प्रेसीडेंट / स्पीकर तथा विदेश एवं सहयोग मंत्री के साथ बैठकें की। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। श्री अनिल वाधवा, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार तथा श्री नासेर बोरिटा, महासचिव, विदेश एवं सहयोग मंत्रालय, किंगडम ऑफ मोरक्को की सह अध्यक्षता में 10 दिसंबर 2014 को रबाट में भारत - मोरक्को विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) की तीसरी बैठक

हुई। सचिव (पूर्व) श्री अनिल वाधवा ने मोरक्को के विदेश एवं सहयोग मंत्री श्री सलाहेद्दीन मेजुअर तथा मोरक्को के उद्योग, व्यापार, निवेश एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्री श्री माउले हाफिद एलअलामी से शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच उत्कृष्ट संबंध की सराहना की जो संयम, वार्ता एवं बंधुत्व के साझे मूल्यों पर आधारित है। आई ए एफ एस-3 जो 26 से 30 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित होना था, के लिए निमंत्रण देने के लिए प्रधानमंत्री के विशेष दूत के रूप में माननीय कृषि राज्य मंत्री डा. संजीव कुमार बालयान ने 5 से 8 जुलाई 2015 के दौरान मोरक्को का दौरा किया। कृषि राज्य मंत्री ने मोरक्को के विदेश एवं सहयोग मंत्री श्री सलाहेद्दीन मेजुअर के साथ बैठक की तथा शासनाध्यक्ष अब्देलिलाह बेनकिरेन से मुलाकात की।

वाणिज्यिक संबंध :

भारत - मोरक्को संयुक्त आयोग की चौथी बैठक 28 और 29 अप्रैल 2011 को नई दिल्ली में हुई थी। माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा तथा मोरक्को के विदेश व्यापार मंत्री श्री अब्देललतीफ माजुज द्वारा बैठक की सह अध्यक्षता की गई। दोनों देशों की सुविधा के अनुसार मोरक्को द्वारा संयुक्त आयोग की 5वीं बैठक का आयोजन किया जाएगा।

अक्टूबर 2010 में माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मोरक्को का दौरा किया था। इस यात्रा के दौरान माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री ने मोरक्को के विदेश वाणिज्य मंत्री श्री अब्देललतीफ माजुज के साथ बैठक की तथा द्विपक्षीय व्यापार एवं वाणिज्य के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

मोरक्को के उद्योग, व्यापार एवं नई प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अब्देल कादेर अमारा ने मोरक्को निवेश विकास एजेंसी तथा फाइनेंसियल टाइम्स न्यूज पेपर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रोड शो में भाग लेने के लिए 29 और 30 मई 2013 को मुंबई का दौरा किया।

मोरक्को के फास्फेट एवं इसके डेरिबेटिव के लिए भारत प्रमुख बाजारों में से एक है। भारत को निर्यात की जाने वाली अन्य मुख्य वस्तुओं में धात्विक अयस्क तथा मेटल स्क्रैप, अर्ध निर्मित उत्पाद तथा अजैविक रसायन शामिल हैं। भारत की ओर से मोरक्को को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से कॉटन यार्न, सिंथेटिक फाइबर, परिवहन उपकरण, भेषज पदार्थ, कृषि औजार, रसायन, मसाले तथा विनिर्मित धातुएं शामिल हैं।

द्विपक्षीय व्यापार, जो 2010 में 1.63 बिलियन अमरीकी डालर था, की मात्रा 2011 में बढ़कर 2.04 बिलियन अमरीकी डालर पर पहुंच गई अर्थात मोरक्को को भारत के निर्यात का मूल्य 587.2 मिलियन अमरीकी डालर था तथा मोरक्को से भारत के आयात का मूल्य 1.45 बिलियन अमरीकी डालर था। दोनों देशों के बीच व्यापार का कुल मूल्य 2012 में 1.73 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें मोरक्को को भारत के निर्यात का मूल्य 517.7 मिलियन अमरीकी डालर था तथा मोरक्को से भारत का आयात का मूल्य 1212 मिलियन अमरीकी डालर था। 2013 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 1.41 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें मोरक्को को भारत के निर्यात का मूल्य 615 मिलियन अमरीकी डालर था तथा मोरक्को से भारत का आयात का मूल्य 796.3 मिलियन अमरीकी डालर था। 2014 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार का मूल्य 1.36 बिलियन अमरीकी डालर था जिसमें मोरक्को को भारत के निर्यात का मूल्य 500.5 मिलियन अमरीकी डालर था तथा मोरक्को से भारत का आयात का मूल्य 855.8 मिलियन अमरीकी डालर था। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2014 में मोरक्को को भारत के निर्यात में 21.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा भारत को मोरक्को के निर्यात में 2014 में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में व्यापार की मात्रा में वृद्धि होगी। भारत द्वारा फास्फोरिक एसिड और रॉक फास्फेट के आयात के कारण व्यापार संतुलन मोरक्को के पक्ष में है।

नवंबर 1999 में मोरक्को में उर्वरक क्षेत्र में आई एम ए सी आई डी के नाम से एक भारत - मोरक्को संयुक्त उद्यम का गठन किया गया। इस समय यह संयुक्त उद्यम हर साल लगभग 430000 मीट्रिक टन फास्फोरिक एसिड का उत्पादन कर रहा है तथा इसमें से लगभग पूरा उत्पादन भारत द्वारा आयात किया जाता है। मोरक्को की फास्फेट कंपनी ओ सी पी ने भारत में पारादीप फास्फेट लिमिटेड में निवेश किया है।

अन्य कारोबारी गतिविधियों में टाटा मोटर्स का कासाब्लांका में बस बॉडी के निर्माण के लिए एक संयंत्र है। रैनबैक्सी ने कासाब्लांका में दवाओं के उत्पादन के लिए अपना खुद का एक विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया है। पेप्सिको इंडिया ने मोरक्को में बिवरेज मेकर के संपूर्ण फ्रेंचाइजी बाटलिंग प्रचालन का अधिग्रहण कर लिया है। भारतीय उद्योगों तथा कारोबारी संघों जैसे कि सी आई आई, फिक्की और एसोचैम की मोरक्को के उद्योग एवं व्यापार संघों के साथ संस्थानिक व्यवस्थाएं हैं। भारत के विभिन्न उद्योग तथा निर्यात संवर्धन परिषदों जैसे कि एसोचैम, कैपेक्सिल, टेक्सप्रोसिल तथा ई ई पी सी से अनेक व्यापार शिष्टमंडलों ने आवधिक आधार पर मोरक्को का दौरा किया है। इन यात्राओं के दौरान व्यापार संवर्धन की अनेक गतिविधियों जैसे कि प्रदर्शन, क्रेता - विक्रेता बैठक आदि का आयोजन किया गया।

शिक्षा

मोरक्को के उम्मीदवार विदेश मंत्रालय के आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत भारत में आयोजित प्रशिक्षण कार्यकमों तथा अन्य विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे कि विदेश मंत्रालय के पी डी प्रभाग द्वारा आयोजित युवा संसद सदस्यों के लिए "लीडर्स ऑफ फ्यूचर", संसदीय अध्ययन एवं प्रशिक्षण ब्यूरो (बी पी एस टी), लोक सभा सचिवालय द्वारा आयोजित अरबी भाषी देशों के संसदीय अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, आई ए एफ एस की छत्रछाया में फिक्की के साथ भारत के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित तथा विदेश मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अफ्रीकी शोधकर्ताओं के लिए सी वी रमन अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति कार्यक्रम आदि में भी नियमित रूप से भाग लेते हैं। इसी तरह मोरक्को के छात्र भारत में उच्च शिक्षा की पढ़ाई के लिए भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर) द्वारा मेधावी छात्रों के लिए प्रस्तावित वार्षिक छात्रवृत्तियों का भी लाभ उठा रहे हैं।

भारत - अफ्रीका मंच

आई ए एफ एस 2 कार्यक्रम के द्विपक्षीय घटक के तहत भारत में तीन साल की अवधि में हर साल 500 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए मोरक्को में एक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई सी टी) केन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है जिसे मोरक्को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। आई ए एफ एस अनुवर्तन कार्य योजना के क्षेत्रीय घटक के तहत भारत ने मोरक्को में राजमार्गों के लिए एक सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव किया है।

सांस्कृतिक संबंध

मोरक्को में भारतीय कला एवं संस्कृति, विशेष रूप से हिंदी सिनेमा में काफी रुचि है। मराकेश इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (एम आई एफ एफ) नियमित रूप से हिंदी मूवी का प्रदर्शन करता है तथा भारतीय अभिनेताओं को आमंत्रित करता है। 5 दिसंबर 2015 को भारतीय फिल्म स्टार माधुरी दीक्षित को 15वें मराकेश इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सिनेमा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। भारतीय फिल्म स्टार के सम्मान समारोह में अनेक राजनीतिक हस्तियों ने भाग लिया जिसमें मोरक्को के संचार मंत्री श्री मुस्तफा खालफी शामिल हैं। माधुरी दीक्षित ने कहा कि इससे पहले इतने बड़े पैमाने पर उनका स्वागत नहीं हुआ था तथा पहली बार मोरक्को आकर वह बहुत प्रसन्न हैं जहां यह देखकर उन्हें आश्चर्य हो रहा है कि मोरक्को के

नागरिकों में भारतीय फिल्म के प्रति गहरा प्रेम है। भारतीय संगीतज्ञ नियमित आधार पर वर्ल्ड सेक्रेड म्यूजिक के फेज महोत्सव में भाग लेते हैं।

भारतीय समुदाय

कासाब्लांका शहर में 200 से 250 के आसपास भारतीय नागरिक रहते हैं तथा कुछ भारतीय परिवार मराकेश और टैंगियर में रहते हैं।

भारत एवं मोरक्को के बीच कोई सीधी उड़ान नहीं है। तथापि यूरोप, यू ए ई एवं कतर होते हुए कासाब्लांका के लिए सुविधाजनक कनेक्शन मौजूद हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, रबाट की वेबसाइट :
http://www.indianembassyrabat.com/
किंगडम ऑफ मोरक्को में भारत के राजदूत महामहिम श्री कृष्ण कुमार के साथ अनन्य साक्षात्कार :
http://www.indianembassyrabat.com-Home Page-Events-Press Releases

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, राबाट की वेबसाइट :
http://www.indianembassyrabat.com/

*****

फरवरी, 2016